ज्योति यादव
आई0ए0एस0

उत्तराखण्ड शासन

सचिव,
विद्यालयी शिक्षा
उत्तराखण्ड शासन

स्वतंत्रता दिवस संदेश

प्यारे बच्चों, समस्त शिक्षक, प्रधानाध्यापक, प्रधानाचार्य, विभागीय अधिकारी, समस्त कार्मिक, अभिभावक एवं जनप्रतिनिधिगण।

आप सभी को 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। इस अवसर पर हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं, जिनके अदम्य शौर्य एवं सर्वोच्च बलिदान से हमें आजादी मिली है।

आज का दिन हमें एक समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए हमारे सामूहिक उत्तरदायित्व का बोध कराता है और हम सभी को अवसर प्रदान करता है कि हम विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका के यथेष्ट निर्वहन के लिए आत्ममंथन एवं आत्मचिंतन करें।

नशा–मुक्त विद्यालय, स्वस्थ पीढ़ी, सशक्त परिवार और समृद्ध उत्तराखण्ड के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नशा–मुक्त विद्यालयी वातावरण प्रत्येक बच्चे के स्वास्थ्य, सुरक्षा, गरिमा एवं समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करने के केंद्र नहीं हैं, बल्कि ऐसे संस्थान हैं जहाँ बच्चों में जीवन–मूल्य, जीवन–कौशल, जिम्मेदार व्यवहार तथा भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा विभाग प्रत्येक विद्यार्थी को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से सुरक्षित रखने तथा उसे समय पर मार्गदर्शन, परामर्श एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए नशा–मुक्त विद्यालयी वातावरण विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जागरूकता कार्यक्रमों, जीवन–कौशल शिक्षा, बालसखा कार्यक्रम, खेल एवं सह–पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों, तथा सुदृढ़ विद्यालयी परामर्श एवं सहयोग तंत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वस्थ एवं विवेकपूर्ण निर्णय लेने की क्षमता और आत्म–सशक्तिकरण विकसित करना आवश्यक है। बच्चों में नशे के प्रति संवेदनशीलता अथवा जोखिम के प्रारंभिक संकेतों की पहचान करने तथा ऐसा सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में शिक्षक, विद्यालय प्रधानाचार्य एवं अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालयों में ऐसा वातावरण विकसित करना है, जहाँ विद्यार्थी बिना भय और संकोच के अपनी समस्याएँ साझा कर सकें।

प्रिय विद्यार्थियों, नशा–मुक्त उत्तराखण्ड का सपना तभी साकार होगा, जब आज का युवा अपने भविष्य को स्वयं चुनने का संकल्प लेगा। आप उत्तराखण्ड का भविष्य, आशा और आने वाले कल की पहचान हैं। अपने सपनों को शिक्षा, खेल, रचनात्मकता, अनुशासन और आत्मविश्वास से मजबूत बनाइए। यदि कभी कोई आपको नशे की ओर आकर्षित करे, तो दृढ़ता से "नहीं" कहें और अपने मित्रों को भी सही राह चुनने के लिए प्रेरित करें। याद रखें कि सच्ची बहादुरी जोखिम उठाने में नहीं, बल्कि गलत रास्ते को ठुकराने में है। जहाँ शिक्षा का उजाला होता है, वहाँ नशे के अंधकार के लिए कोई स्थान नहीं होता।

मैं उत्तराखण्ड के सभी शैक्षणिक संस्थानों, शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं समुदाय के सभी हितधारकों का आह्वान करती हूँ कि वे मिलकर प्रत्येक विद्यालय को सुरक्षित, स्वस्थ एवं नशा–मुक्त शिक्षण वातावरण बनाने में अपना योगदान दें।

आप सभी को पुनः स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

"जय उत्तराखण्ड, जय हिन्द।"

ज्योति यादव
सचिव